तेरापंथ युवक परिषद्

पो० दालकोला-७३३२०१

उत्तर दिनाजपुर (प. बं.)

सेवा **संस्कार** **संगठन**

3rd July.

"प्रथम चातुर्मास ऐतिहासिक बने"

शान्तिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री त्रिशलाकुमारी जी अपनी सहवर्तिनी साध्वियों के साथ विहार करती दालकोला चातुर्मास हेतु पधारी। दालकोला की धरती पर ये प्रथम चातुर्मास होने जा रहा है। सभी लोगों में अतिरिक्त उत्साह का माहौल है।

कार्यक्रम का प्रारम्भ साध्वी श्री जी के नमस्कार महामंत्र हुआ। युवती मंडल व महिला मंडल ने अपने मंगल स्वरो से सम्पूर्ण वातावरण को मंगलमय बना दिया। ज्ञानशाला के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। सभा के अध्यक्ष श्रीमान मूलचंद जी बच्छावत ने समागत अतिथियों का स्वागत किया। सभा के मंत्री श्रीमान ~~[illegible]~~ मांगीलालजी ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा - हमें ज्यादा से ज्यादा साध्वी श्री जी के प्रवास का लाभ उठाना है। किशनगंज से समागत मुमुक्षु शायर व महिला मंडल की बहिनों ने गीतिका के माध्यम से साध्वी श्री जी का स्वागत किया। साध्वी श्री मुक्ति श्री जी ने समागत सभी भाई-बहनों को श्रावक-संबोध प्रश्नोत्तरी में सभागी बनने की प्रेरणा दी।

तेरापंथ युवक परिषद् के मंत्री पवन दुधोड़िया ने साध्वी श्री स्वागत किया एवं टीम ने गीत प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय तेयुप के राष्ट्र कार्यकारिणी के सदस्य अमित नाहटा ने अपने विचार प्रस्तुत किये। फारबीसगंज से समागत प्रगा सेठिया ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी ने अपने मंगल उद्बोधन में सभा को संबोधित करते हुए कहा - आज दलखोला वासियों का चिर संजोया स्वप्न साकार होने जा रहा है। प्रकृति का कण-२ आल्हादित है। इन्द्र भगवान भी प्रसन्न है। ज्ञातव्य है कि लगभग 7-8 दिन से लगातार बारिस हो रही है। आस-पास के क्षेत्रों में आज भी बारिश थी। लेकिन जैसे ही साध्वी श्री जी के प्रवेश का समय हुआ बारिश रुक गई और बड़ा सुन्दर व भव्य जुलूस के साथ साध्वी श्री जी का मंगल प्रवेश हुआ।

साध्वी श्री जी ने रामायण की एक घटना प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा - जैसे राम भक्त हनुमान के लिए वो ही मोती मूल्यवान है जिसमें राम हो। हमारा धर्मसंघ भी एक मूल्यवान मोतियों की माला है। और उसमें उसी व्यक्ति का महत्त्व है जो गुरुदृष्टि की आराधना करता है। हम भी गुरु

दृष्टि की आराधना करते हुए दो साल की असम यात्रा सानन्द सम्पन्न कर आज दलखोला में चातुर्मास हेतु प्रवेश कर रहे हैं। साध्वी श्री जी ने फरमाया दलखोला पर श्रद्धेय आचार्य प्रवर ने दिलखोल कर कृपा की। अब दलखोलवासियों का फर्ज है कि उस कृपा का कितना उपयोग करते हैं।

इस कार्यक्रम में उत्तर दिनाजपुर जिले की सांसद श्रीमति दीपादासमुंशी भी उपस्थित थी। दीपाजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा - कि उत्तर दीनाजपुर का सौभाग्य है कि यहां संतो का समागम हुआ है। संत और सांसद मिलकर हमें ऐसा कोई ठोस काम करना है जो इतिहास के स्वर्ण पृष्ठ में अंकित हो।

आज के इस कार्यक्रम के मुख्यवक्ता नेपालविहार सभा के अध्यक्ष हंसराज जी बेताला, भिक्षु सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजकरण जी दफ्तरी, विशेषरूप से उपस्थित थे। फारबिसगंज सभा के अध्यक्ष अनोप जी बोथरा, सिलीगुडी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल जी जैन, किशनगंज सभा के अध्यक्ष पुखराज जी बागरेचा, पटना सभाध्यक्ष तोलाराम जी सेखानी, रायगंज सभाध्यक्ष —— नेपाल विहार ज्ञानशाला के आंचलिक संयोजक डालचन्द जी संचेती आदि विभिन्न क्षेत्रों के काफी श्रावक एवं श्राविकाएं यहाँ उपस्थित थीं। श्रीमती संजु बैद ने अभिनन्दन पत्र का वाचन किया एवं महिला मण्डल की सदस्याओं संकल्पों का गुलदस्ता साध्वी श्री जी के चरणों में भेंट किया।

तेरापंथ युवक परिषद्

पो० दालकोला-७३३२०१

उत्तर दिनाजपुर (प. बं.)

सेवा **संस्कार** **संगठन**

17·7·2011 For Publishing in 18th July Edition of your Newspaper.

शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी के सान्निध्य
एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्त्वावधान और तेरापंथ युवक परिषद, दलको
के आयोजन में मंत्र दीक्षा का कार्यक्रम बड़े ही उत्साह पूर्ण वातावरण में मनाया गया।
मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कन्यामंडल एवं ज्ञानशाला के बालक-बालिकाओं
ने "मंत्र दीक्षा महान् जीवन में भरे मुस्कान" कार्यक्रम की रोचक प्रस्तुति दी।

सभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री त्रिशला कुमारी जी ने कहा
रत्नों में चिंतामणि रत्न, तीर्थों में शत्रुंजय तीर्थ, दान में अभयदान सर्वश्रेष्ठ है। ठीक उसी
तरह मंत्रों में नमस्कार महामंत्र सर्वश्रेष्ठ मंत्र है। नमस्कार महामंत्र में व्यक्ति को नहीं गुणों
को नमस्कार किया जाता है। यह किसी जाति या संप्रदाय में बंधा हुआ मंत्र नहीं है। मंत्र
छोटा है पर अपार शक्ति है। इसमें चवदह पूर्वो का सार भरा है। आकार में छोटा किन्तु
उपलब्धियों एवं संभावनाओं का खजाना है। मंत्र में श्रद्धा का होना अनिवार्य है, श्रद्धा जितनी
मजबूत होती है उतना ही जीवन में विकास संभव है। श्रद्धा नींव का पत्थर है उसी पर
मानव जीवन का महल खड़ा है।

साध्वी श्री जी ने कहा श्रद्धा, आस्था, विश्वास के साथ जो मंत्र
जीवन से जुड़ता है, वह जीवंत मंत्र बन सकता है तथा जीवन में रूपान्तरण घटित हो सकता है।
नमस्कार महामंत्र परम शांति और मुक्ति प्रदाता है उसके स्मरण से सदैव मंगल ही होता है।
बालक-बालिकाओं को मंत्र से परिचित होने के लिये ही मंत्र दीक्षा प्रदान की जाती
है, जैसे वैदिक परम्परा में 16 प्रकार के संस्कार माने गये हैं - नामकरण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, कर्णवेध,
उपनयन आदि। इसी प्रकार बालकों में प्रारंभ से ही अच्छे संस्कारों का बीजारोपण हो सके इस
दृष्टि से मंत्रदीक्षा सार्वभौम और सार्वजनीन संस्कार के रूप में प्रतिष्ठित करने की अपेक्षा है।

मंत्र न कोई जादू है, न चमत्कार और न अंधविश्वास ही है। नमस्कार महामंत्र
आबालवृद्ध के लिये उपयोगी है।

साध्वी कल्पयशा जी ने मंत्र के द्वारा हम आरोग्य कैसे प्राप्त कर सकते हैं
बहुत ही सुन्दर ढंग से जानकारी दी। प्रयोग के द्वारा हम कैसे स्वस्थ रह सकते हैं, अनेक बिमारियों
से निजात पाने के उपाय भी बताये। आज के कार्यक्रम में इस्लामपुर के भाई-बहन साध्वीश्री जी
की सेवा में उपस्थित थे। इस्लामपुर ज्ञानशाला के बालक-बालिकाओं की प्रस्तुति सराहनीय थी।
इस कार्यक्रम में किशनगंज, पूर्णिया, खुश्किबाग के श्रावक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ
युवक परिषद द्वारा मंगलगीत से हुआ। ते.यु.प के मंत्री पवन दुधोड़िया, महिला मंडल की मंत्री
मंजु सेठिया एवं सभा के उपाध्यक्ष सुजान जी सेठिया ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी। आज
के कार्यक्रम में मूलचंद जी जैन, भीखमचंद जी कोठारी, रायचंद जी बैद, बच्छराज जी बैद, रतनलाल
जी बोथरा ने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का संकल्प स्वीकार किया। ते.यु.प अध्यक्ष श्री प्रदीप गर्दोया
ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संयोजक श्री अजय गर्दोया थे। मंच संचालन हरीश
बैद ने किया। व्यवस्था में स्थानीय ते.यु.प. के कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा।